Damodar Ashtakam – (दामोदर अष्टकम)

श्लोक १

नमामीश्वरं सच्चिदानंदरूपं
लसत्कुण्डलं गोकुले भ्राजमानम्।
यशोदाभियोलूखलाद्धावमानं
परामृष्टमत्यन्ततो द्रुत्य गोप्या॥

Transliteration:

Rudantam muhur netra-yugmam mrjantam
Karambhoja-yugmena satanka-netram
Muhuh svasa-kampa-trirekhanka-kantha-
Sthita graivam damodaram bhakti-baddham

हिंदी अर्थ: जिनका सर्वेश्वर सच्चिदानंद स्वरूप है, जिनके कपोलों पर मकराकृत कुंडल हिलडुल रहे हैं, जो दिव्य गोकुल धाम में परम शोभायमान हैं जो दही-मटकी फोड़ने के कारण माँ यशोदा के भय से ऊखल से दूर दौड़ रहे हैं, किन्तु जिन्हें माँ यशोदा ने वेगपूर्वक दौड़कर पकड़ लिया ऐसे भगवान दामोदर को मेरा विनम्र प्रणाम है।

श्लोक २

रुदन्तं मुहुर्नेत्रयुग्मं मृजन्तं
कराम्भोज-युग्मेन सातङ्कनेत्रम्।
मुहुःश्वास कम्प-त्रिरेखाङ्ककण्ठ-
स्थित ग्रैव-दामोदरं भक्तिबद्धम्॥

Transliteration:

Rudantam muhur netra-yugmam mrjantam
Karambhoja-yugmena satanka-netram
Muhuh svasa-kampa-trirekhanka-kantha-
Sthita graivam damodaram bhakti-baddham

हिंदी अर्थ: माँ के हाथ में लठिया देखकर वे बारंबार रोते हुए अपनी दोनों आँखों को हस्तकमलों से मल रहे हैं। उनके नेत्र भय से विह्वल हैं, सिसकियाँ लेने के कारण त्रिरेखायुक्त कंठ में मोतियों की माला कंपित हो रही है। उन दामोदर भगवान को जिनका उदर रस्सियों से नहीं, बल्कि माँ के वात्सल्य-प्रेम से बँधा है मैं प्रणाम करता हूँ।

श्लोक ३

इतीद्दक्स्वलीलाभिरानंद कुण्डे
स्वघोषं निमज्जन्तमाख्यापयन्तम्।
तदीयेशितज्ञेषु भक्तैर्जितत्वं
पुनः प्रेमतस्तं शतावृत्ति वन्दे॥

Transliteration:

Itidrk sva-lilabhir ananda-kunde
Sva-ghosham nimajjantam akhyapayantam
Tadiyeshita-jneshu bhaktair jitatvam
Punah prematas tam satavritti vande

हिंदी अर्थ: जो ऐसी बाल्यलीलाओं से गोकुलवासियों को आनंद-सरोवर में डुबोते हैं, और अपने ऐश्वर्य में मग्न भक्तों को यह तथ्य प्रकाशित करते हैं कि उन्हें भय-आदर से मुक्त, निश्छल प्रेमी भक्त ही जीत सकते हैं उन भगवान दामोदर को मैं कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ।

श्लोक ४

वरं देव! मोक्षं न मोक्षावधिं वा
न चान्यं वृणेऽहं वरेशादपीह।
इदं ते वपुर्नाथ गोपाल बालं
सदा मे मनस्याविरस्तां किमन्यैः?॥

Transliteration:

Varam deva moksham na mokshavadhim va
Na canyam vrne 'ham vareshad apiha
Idam te vapur natha gopala-balam
Sada me manasy avirastam kim anyaih

हिंदी अर्थ: हे प्रभु! आप सर्वोच्च वर देने में समर्थ हैं, परन्तु मैं न मोक्ष माँगता हूँ, न वैकुंठ, न कोई अन्य वरदान। बस यही प्रार्थना है कि आपका बालगोपाल रूप सदा मेरे हृदय में विराजित रहे। इसके अतिरिक्त मुझे और किस वस्तु की आवश्यकता है?

श्लोक ५

इदं ते मुखाम्भोजमत्यन्तनीलै-
र्वृतं कुन्तलैः स्निग्ध-रक्तैश्च गोप्या।
मुहुश्चुम्बितं बिम्बरक्ताधरं मे
मनस्याविरस्तामलं लक्षलाभैः॥

Transliteration:

Idam te mukhambhojam atyanta-nilair
Vritam kuntalaih snigdha-raktais ca gopya

Muhus cumbitam bimba-raktadharam me
Manasy avirastam alam laksha-labhaih

हिंदी अर्थ: हे प्रभु! लालिमायुक्त कोमल श्यामवर्ण के घुँघराले बालों से घिरा आपका मुखकमल, जिसे माँ यशोदा बारंबार चुम्बित कर रही हैं और जिनके होंठ बिम्बफल की भाँति लाल हैं आपके मुखमंडल का वह सुन्दर दृश्य मेरे हृदय में सदा बना रहे। मुझे लाखों अन्य लाभों की कोई अभिलाषा नहीं।

श्लोक ६

नमो देव दामोदरानन्त विष्णो!
प्रसीद प्रभो! दुःखजालाब्धिमग्नम्।
कृपादृष्टि-वृष्टयातिदीनं बतानु-
गृहाणेश मामज्ञमेध्यक्षिदृश्यः॥

Transliteration:

Namo deva damodarananta vishno
Prasida prabho duhkha-jalabdhi-magnam
Kripa-drishti-vrishtyati-dinam batanu
Grihanesha mam ajnam edhy akshi-drisyah

हिंदी अर्थ: हे दामोदर! हे अनंत! हे विष्णु! हे नाथ! मैं आपको प्रणाम करता हूँ। मैं दुःखों के सागर में डूबा जा रहा हूँ। आप मुझ दीन-हीन पर अपनी कृपादृष्टि की वर्षा कीजिए, मेरा उद्धार कीजिए और मेरे नेत्रों के समक्ष प्रकट हो जाइए।

श्लोक ७

कुबेरात्मजौ बद्धमूर्त्यैव यद्वत्
त्वया मोचितौ भक्तिभाजौ कृतौ च।
तथा प्रेमभक्तिं स्वकां मे प्रयच्छ
न मोक्षे गृहो मेऽस्ति दामोदरेह॥

Transliteration:

Kuveratmajau baddha-murtyaiva yadvat
Tvaya mocitau bhakti-bhajau krtau ca
Tatha prema-bhaktim svakam me prayaccha
Na mokshe graho me 'sti damodareha

हिंदी अर्थ: हे दामोदर! जिस प्रकार आपने ऊखल से बँधे रूप में नलकूबर और मणिग्रीव कुबेर के दोनों पुत्रों को नारद जी के शाप से मुक्त कर अपना महान भक्त बनाया उसी प्रकार मुझे भी अपनी प्रेम-भक्ति प्रदान कीजिए। मुझे किसी प्रकार के मोक्ष की इच्छा नहीं, केवल आपकी भक्ति ही मेरी अभिलाषा है।

श्लोक ८

नमस्तेऽस्तु दाम्ने स्फुरद्दीप्तिधाम्ने
त्वदीयोदरायाथ विश्वस्य धाम्ने।
नमो राधिकायै त्वदीय-प्रियायै
नमोऽनन्त लीलाय देवाय तुभ्यम्॥

Transliteration:

Namas te 'stu damne sphurad-dipti-dhamne
Tvadiyodarayatha visvasya dhamne
Namo radhikayai tvadiya-priyayai
Namo 'nanta-lilaya devaya tubhyam

हिंदी अर्थ: हे प्रभु! मैं सर्वप्रथम आपके उदर को बाँधने वाली दीप्तिमान रस्सी को प्रणाम करता हूँ, जो समस्त विश्व का आधार है। आपकी प्रियतमा श्रीमती राधारानी के चरणों में मेरा सादर प्रणाम है। और अनंत लीलाएँ करने वाले आप परमेश्वर को मेरा प्रणाम है।